नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन...

राजयोग से जीवन बनेगा सुखमय

- दादी जानकी ने साइंटिस्ट व इंजीनियर्स को दिया खुशी का मंत्र

- हैलो है

प्पीनेस फेयर में समझरहे जीवन में खुशी लाने के सीक्रेट

- गुजरात भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमीलाबेन बारा ने भी रखे अपने विचार

9 सितंबर, आबू रोड।

वर्तमान समय को देखते हुएआज सभी को मेडिटेशन की बहुत जरूरत है। मेडिटेशन से हमारा मन शांत होता है। ब्रह्माकुमारीका संस्थान समाज के उत्थान, समाज कल्याण और लोगों को नैतिक रूप से शिक्षित करने का बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है।

उक्त विचार गुजरात भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष रमीलाबेन बारा ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारीका संस्थान साइंटिस्ट एंड इंजीनियरिंग विंग द्वारा आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस कम मेडिटेशन रिट्रीट में भारत सहित नेपाल से 8 हजार से अधिक साइंटिस्ट, इंजीनियर्स व टेक्नीशियन पहुंचे हैं। इसके पूर्व हैलो हैप्पीनेस फेयर का उद्घाटन किया गया। खुशनुमा जिंदगी विषय पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आज खुशी की सभी को जरूरत है।

संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि राजयोग के अभ्यास से जीवन सुखमय बनेगा। इसके गवाह लाखों भाई-बहनें हैं। गुरुग्राम से पधारे हीरो साइकिल प्राइवेट लिमिटेड के ऑपरेशन वॉइस प्रेसिडेंट आरके रतन ने अपना अनुभव बताते हुएकहा कि राजयोग मेडिटेशन से मेरे अंदर पहले की अपेक्षा सकारात्मक बढ़ी है। अब मैं कोई भी परिस्थिति आने पर अपना धैर्य नहीं खोता हूं। राउरकेला एनएसपीसीएल के एजीएम बीके अरुण साहू ने कहा कि मैं अपने अनुभव से कह सकता हूं कि राजयोग मेडिटेशन हमारे जीने के नजरिए को बदल देता है। राजयोग के अभ्यास से मेरा जीवन पूरी तरह से बदल गया है। जीवन जीने की एक नई कला मिल गई है। संस्थान के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि एक परमात्मा के अतिरिक्त दूसरा कोई मन की सच्ची शांति प्रदान नहीं कर सकता है।

आज सबकुछ है लेकिन खुशी नहीं है...

गुजरात के अहमदाबाद से अपने वीडियो मैसेज से भेजे संदेश में विंग की अध्यक्ष बीके सरला दीदी ने कहा कि आज लोगों के पास सबकुछ है लेकिन खुशी नहीं है। जबकि जीवन का सबसे अनमोल खजाना हमारी खुशी ही है। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन

भाई ने कहा कि साइंस और स्प्रीचुआलिटी एक-दूसरे के पूरक हैं। साइंस के साधने से जहां जीवन निर्वाह में आसानी होती है वहीं स्प्रीचुआलिटी हमें माइंड मैनेजमेंट सिखाती है।

खुशी हमारी निजी पूंजी...

साइंटिस्ट एंड इंजीनियरिंग विंग के उपाध्यक्ष बीके मोहन सिंघल भाई ने कहा कि यहां जो आध्यात्मिक वातावरण का आप सभी पूरी तरह लाभ लें। साथ ही कॉन्फ्रेंस के दौरान जो खुश रहने के सीक्रेट वक्ताओं द्वारा दिए जा रहे हैं उनको अपने जीवन में धारण करें। मुंबई से पधारे मोटिवेशनल स्पीकर एवं ट्रेनर प्रो. स्वामीनाथन भाई ने कहा कि खुशी हमारी निजी पूंजी है। अगर ठान लो तो कोई दूसरा आपको दुखी नहीं करता है। नेपाल से आए वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सूर्यराज कदेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान लोगों को बदलने का महान कार्य कर रही है। यहां के वातावरण में अद्भुत शांति का अनुभव होता है।

बैंगलुरु के कलाकारों ने दी आकर्षक प्रस्तुति

बैंगलुरु से आए विदूषी पनिमाला एवं विदवन राजूभाई गुरप के कलाकारों ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुधर वाणी गुरप के कलाकारों ने सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। संचालन गांधीनगर गुजरात की बीके मेघा बहन ने किया। इस दौरान विंग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर जवाहर मेहता, एक्जीक्यूटिव मेंबर नरेन्द्र पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वहीं डायमंड हॉल में लगाए गए हैलो हैप्पीनेस फेयर में कॉन्फ्रेंस में आए प्रतिभागी पहुंचकर जीवन में खुशी लाने के सीक्रेट समझरहे हैं।इसमें बहुत ही खूबसूरती से साइंस के चमत्कारों को स्प्रीचुआलिटी के माध्यम से दिखाया गया है।
फोटो- दीप प्रज्जवलित कर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते अतिथि।

फोटो- नेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत सहित नेपाल से आए साइंटिस्ट व इंजीनियरर्स।